http://www.upboardonline.com

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 16

अनुक्रमांक

नाम ......

102 **302(CW)**

2019

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

(खण्ड-क)

1. क) 'आवारा मसीहा' के लेखक हैं
   i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
   ii) सदासुखलाल
   iii) विष्णु प्रभाकर
   iv) हजारी प्रसाद द्विवेदी । 1

   ख) 'संयोगिता स्वयंबर' किसकी रचना है ?
   i) राधाकृष्ण दास
   ii) लाला श्रीनिवास दास
   iii) बालकृष्ण भट्ट
   iv) श्रीनिवास दास । 1

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

   ग) 'इन्दुमती' कहानी के लेखक हैं
   i) वृन्दावनलाल वर्मा
   ii) किशोरीलाल गोस्वामी
   iii) 'अज्ञेय'
   iv) प्रेमचन्द । 1

   घ) 'स्कन्दगुप्त' नाटक के लेखक हैं
   i) लक्ष्मीनारायण मिश्र
   ii) जयशंकर प्रसाद
   iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
   iv) प्रताप नारायण मिश्र । 1

   ङ) 'मृगनयनी' उपन्यास के लेखक हैं
   i) भगवतीचरण वर्मा
   ii) वृन्दावनलाल वर्मा
   iii) अमृत राय
   iv) जैनेन्द्र कुमार । 1

2. क) 'हरी घास पर क्षणभर' कृति निम्न में से किसकी है ?
   i) भवानी प्रसाद मिश्र
   ii) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
   iii) 'अज्ञेय'
   iv) नागार्जुन । 1

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

ख) 'आनन्द कादम्बिनी' पत्रिका के सम्पादक हैं

i) महावीर प्रसाद द्विवेदी

ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

iii) रूपनारायण पाण्डेय

iv) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' । 1

ग) निम्नलिखित में से प्रयोगवादी कवि हैं

i) महादेवी वर्मा ii) सुमित्रानन्दन पन्त

iii) 'अज्ञेय' iv) डॉ० नगेन्द्र । 1

घ) 'छायावाद काल' का काल निर्धारण कीजिए :

i) सन् 1900 से 1922 ई०

ii) सन् 1938 से 1943 ई०

iii) सन् 1919 से 1938 ई०

iv) सन् 1943 से अब तक । 1

ङ) प्रगतिवाद का मुख्य आधार है

i) प्रजातन्त्र

ii) राष्ट्रीय पुनर्जागरण

iii) साम्यवाद

iv) समाज सुधार । 1

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

भूमि का निर्माण देवों ने किया है, वह अनन्तकाल से है । उसके भौतिक रूप, सौन्दर्य और समृद्धि के प्रति सचेत होना हमारा आवश्यक कर्तव्य है । भूमि के पार्थिव स्वरूप के प्रति हम जितने अधिक जागरूक होंगे, उतनी ही हमारी राष्ट्रीयता बलवती हो सकेगी । यह पृथिवी सच्चे अर्थों में समस्त राष्ट्रीय विचाधाराओं की जननी है । जो राष्ट्रीयता पृथिवी के साथ नहीं जुड़ी वह निर्मूल होती है । राष्ट्रीयता की जड़ें पृथिवी में जितनी गहरी होंगी, उतना ही राष्ट्रीय भावों का अंकुर पल्लवित होगा । इसलिए पृथिवी के भौतिक स्वरूप की आद्योपांत जानकारी प्राप्त करना उसकी सुन्दरता, उपयोगिता और महिमा को पहचानना आवश्यक धर्म है ।

i) राष्ट्र भूमि के प्रति हमारा आवश्यक कर्त्तव्य क्या है ?

ii) किस प्रकार की राष्ट्रीयता को लेखक ने निर्मूल कहा है ?

iii) यह पृथिवी सच्चे अर्थों में क्या है ?

iv) रेखांकित वाक्यांश की व्याख्या कीजिए ।

v) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

अथवा

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

भाषा की साधारण इकाई शब्द है, शब्द के अभाव में भाषा का अस्तित्व ही दुरुह है । यदि भाषा में विकासशीलता शुरू होती है तो शब्दों के स्तर पर ही । दैनंदिन सामाजिक व्यवहारों में हम कई ऐसे नवीन शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, जो अंग्रेजी, अरबी, फारसी आदि विदेशी भाषाओं से उधार लिये गए हैं । वैसे ही नए शब्दों का गठन भी अनजाने में अनायास ही होता है । ये शब्द अर्थात् उन विदेशी भाषाओं से सीधे अविकृत ढंग से उधार लिये गए शब्द, भले ही काम चलाऊ माध्यम से प्रयुक्त हों, साहित्यिक दायरे में कदापि ग्रहणीय नहीं । यदि ग्रहण करना पड़े तो उन्हें भाषा की मूल प्रकृति के अनुरूप साहित्यिक शुद्धता प्रदान करनी पड़ती है ।

i) भाषा की विकासशीलता कैसे शुरू होती है ?

ii) 'अविकृत ढंग' और 'मूल प्रकृति' का क्या आशय है ?

iii) साहित्यिक दायरे में विदेशी भाषा के शब्दों को किस रूप में ग्रहण करना पड़ता है ?

iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

v) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5 × 2 = 10

बैठी थीं अचल तथापि असंख्य तरंगा
वह सिंही अब थी हहा ! गोमुखी गंगा –
हाँ जनकर भी मैंने न भरत को जाना
सब सुन लें, तुमने अभी स्वयं यह माना

यह सच है तो फिर लौट चलो घर भैया
अपराधिन मैं हूँ तात, तुम्हारी मैया
दुर्बलता का ही चिह्न विशेष शपथ है
पर अबला जन के लिए कौन-सा पथ है ?

i) प्रस्तुत पद्यांश में किन-किन पात्रों के बीच संवाद हो रहा है ?

ii) पाठ का शीर्षक एवं रचयिता के नाम का उल्लेख कीजिए ।

iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iv) घर लौट चलने के लिए कौन किससे आग्रह कर रहा है ?

v) सिंहिनी और गोमुखी गंगा से क्या अभिप्राय है ?

अथवा

सूखी जाती मलिन लतिका जो धरा में पड़ी हो
तो पाँवों के निकट उसको श्याम के ला गिराना ।।
यों सीधे से प्रकट करना प्रीति से वंचिता हो
मेरा होना अतिमलिन औ सूखते नित्य जाना ।।
कोई पत्ता नवल तरु का पीत जो हो रहा हो
तो प्यारे के दृग युगल के सामने ला उसे ही ।
धीरे-धीरे सँभल रखना औ उन्हें यों बताना
पीला होना प्रबल दुख से प्रोषिता-सा हमारा ।।

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

i) राधा पवन से पृथ्वी पर पड़ी हुई लता को क्या करने के लिए कहती हैं ?

ii) सूखी लता से राधा कृष्ण को क्या संदेश देना चाहती हैं ?

iii) पीले पत्ते को श्रीकृष्ण के सामने लाने से राधा का क्या अभिप्राय है ?

iv) उपर्युक्त पद्यांश की रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए ।

v) पाठ का शीर्षक तथा रचयिता के नाम का उल्लेख कीजिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 2 + 2 = 4

i) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी

ii) वासुदेवशरण अग्रवाल

iii) मोहन राकेश ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 2 + 2 = 4

i) रामधारी सिंह दिनकर

ii) मैथिलीशरण गुप्त

iii) जयशंकर प्रसाद ।

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

6. 'पंचलाइट' **अथवा** 'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 4

अथवा

'ध्रुवयात्रा' **अथवा** 'लाटी' कहानी का सारांश लिखिए ।

7. स्वपठित नाटक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 4

i) 'राजमुकट' नाटक के आधार पर नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'राजमुकुट' नाटक के कथानक का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

ii) 'कुहासा और किरण' नाटक के आधार पर नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'कुहासा और किरण' नाटक की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

iii) 'आन का मान' नाटक की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'आन का मान' नाटक के आधार पर 'दुर्गादास' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

http://www.upboardonline.com
http://www.upboardonline.com
http://www.upboardonline.com
http://www.upboardonline.com
http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

iv) 'गरुडध्वज' नाटक के आधार पर 'वासन्ती' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'गरुडध्वज' नाटक के 'तृतीय' अंक की कथावस्तु लिखिए ।

v) 'सूतपुत्र' नाटक के आधार पर 'कुन्ती' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सूतपुत्र' नाटक की कथावस्तु की विवेचना कीजिए ।

8. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्ड के **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 4

i) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के नायक 'हर्षवर्द्धन' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

ii) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर चतुर्थ सर्ग की कथावस्तु को अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के अनुसार 'दशरथ' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

http://www.upboardonline.com
http://www.upboardonline.com
http://www.upboardonline.com
http://www.upboardonline.com

iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कुन्ती' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

iv) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक 'महात्मा गाँधी' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

v) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'दुर्योधन' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

vi) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

(खण्ड-ख)

9. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

धन्योऽयं भारतवर्षः यत्र समुल्लसति जनमानसपावनी भव्यभावोद्भाविनी शब्द-सन्दोहप्रसविनी सुरभारती । विद्यमानेषु निखिलेष्वपि वाङ्मयेषु अस्याः वाङ्मयं सर्वश्रेष्ठं सुसम्पन्नं च वर्तते । इयमेव भाषा संस्कृत नाम्नाऽपि लोके प्रथिता अस्ति । अस्माकं रामायण-महाभारताद्यैतिहासिकग्रन्थाः चत्वारो वेदाः सर्वा उपनिषदः अष्टादशपुराणानि अन्यानि च महाकाव्य-नाट्यादीनि अस्यामेव भाषायां लिखितानि सन्ति । इयमेव भाषा सर्वासामार्यभाषाणां जननीति मन्यते भाषातत्त्व-विद्भिः ।

अथवा

आधुनिके जगति पञ्चशील सिद्धान्ताः नवीनं राजनैतिकं स्वरूपं ग्रहीतवन्तः । एवं च व्यवस्थिताः –

किमपि राष्ट्रं कस्यचनान्यस्य राष्ट्रस्य आन्तरिकेषु विषयेषु कीदृशनपि व्याघातं न करिष्यति । प्रत्येकराष्ट्रं परस्परं प्रभुसत्तां प्रादेशिकीमखण्डतां च सम्मानयिष्यति । प्रत्येकराष्ट्रं परस्परं समानतां व्यवहरिष्यति । किमपि राष्ट्रमपरेण नाक्रंस्यते । सर्वाण्यपि राष्ट्राणि मिथः स्वां-स्वां प्रभुसत्तां शान्त्या रक्षयिष्यन्ति ।

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

काव्यशास्त्र विनोदेन कालो गच्छति धीमताम् ।
व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलेहन वा ।

अथवा

न चौरहार्यं न च राजहार्यं
न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि ।
व्यये कृते वर्द्धत एव नित्यम्
विद्याधनं सर्वधनप्रधानम् ।।

10. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी **एक** का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) श्री गणेश करना ।

(ii) दाँतों तले उँगली दबाना ।

(iii) होनहार बिरवान के होत चीकने पात ।

(iv) जैसी करनी वैसी भरनी ।

11. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'यद्यपि' का सन्धि-विच्छेद है

(A) यदि + पि

(B) यद्य + अपि

(C) यदि + अपि

(D) यत् + अपि । 1

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

(ii) 'रजनीशः' का सन्धि-विच्छेद है

(A) रजन + ईशः

(B) रजनी + ईशः

(C) राजन + एशः

(D) रजने + शः । 1

(iii) 'पावकः' का सन्धि-विच्छेद है

(A) पो + अकः

(B) पौ + अकः

(C) पाव + कः

(D) प + आवकः । 1

(ख) निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार चयन कीजिए :

(i) 'सरिताम्' में विभक्ति और वचन है

(A) द्वितीया विभक्ति, एकवचन

(B) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(C) पंचमी विभक्ति, बहुवचन

(D) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन । 1

(ii) 'राज्ञः' शब्द में विभक्ति और वचन है

(A) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन

(B) षष्ठी विभक्ति, एकवचन

(C) पंचमी विभक्ति, बहुवचन

(D) तृतीया विभक्ति, एकवचन । 1

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

12. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) द्रव-द्रव्य

(A) दान और दाता

(B) धन और धान्य

(C) दवा और दया

(D) तरल और धन । 1

(ii) कटिबन्ध-कटिबद्ध

(A) तैयार और बावजूद

(B) उद्यत और उद्धत

(C) करधनी और तैयार

(D) सम्बन्ध और तैयार । 1

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी **एक** शब्द के दो अर्थ लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) अर्क

(ii) द्विज

(iii) अक्षत ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए **एक** शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) अभी-अभी स्नान किया हुआ

(A) शीघ्र स्नान

(B) स्नात

(C) अद्य स्नात्

(D) सद्यः स्नात । 1

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

(ii) जिसे क्षमा किया जा सके

(A) अक्षय

(B) अक्षम्य

(C) क्षम्य

(D) क्षमाशील । 1

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) एक पुरुष और एक स्त्री जा रही है ।

(ii) मैं भोजन कर लिया हूँ ।

(iii) अध्यापक महोदय कक्षा में पढ़ा रहा है ।

(iv) पुत्री पराया धन होता है ।

13. (क) 'हास्य रस' **अथवा** 'वीर रस' का स्थायी भाव के साथ उसकी परिभाषा अथवा उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ख) 'रूपक' **अथवा** 'सन्देह' अलंकार का लक्षण और उदाहरण लिखिए । 2

(ग) 'सोरठा' **अथवा** 'रोला' छन्द का मात्रा सहित लक्षण अथवा उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

14. डाकुओं के आतंक को दूर करने के लिए जनपद के पुलिस अधीक्षक को एक शिकायती पत्र लिखिए । 2 + 4 = 6

अथवा

X40279 [Turn over

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

अपने निकटस्थ इण्टर कॉलेज में प्रवक्ता पद पर अपनी नियुक्ति के सम्बन्ध में प्रवन्धक महोदय को प्रार्थनापत्र लिखिए ।

15. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 9

(i) पर्यावरण प्रदूषण के कारण एवं निवारण

(ii) वृक्षारोपण की उपयोगिता

(iii) विद्यालय में स्वास्थ्य शिक्षा अनिवार्य होनी चाहिए ।

(iv) मेरा प्रिय कवि ।

302(CW) – 3,00,000

http://www.upboardonline.com

Whatsapp @ 9300930012
Your old paper & get 10/-
पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

X40279

http://www.upboardonline.com